[Total No. of Printed Pages : 3] अनुक्रमांक.....

MASL - 205

संस्कृत साहित्य की आधुनिक प्रतिभाएँ

एम.ए. संस्कृत (एमएएसएल-12/16/17)

द्वितीय वर्ष, सत्र 2020

समय : 2 घंटे पूर्णांक : 80

नोट : यह प्रश्न पत्र अस्सी (80) अंकों का है। जो दो (02) खण्डों क तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल कीजिए।

खण्ड-'क'

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड-'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिए गए हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए बीस (20) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। (2×20=40)

1. उत्तराखण्ड के प्रमुख महाकाव्यकारों का वर्णन करते हुए किसी एक महाकाव्य पर प्रकाश डालिए।

2. आचार्य विश्वेश्वर पाण्डेय के व्यक्तित्व व कृतित्व पर प्रकाश डालिए।

3. लोकरत्न पन्त गुमानी की संस्कृत रचनाओं का काव्यतत्त्वानुशीलन कीजिए।

4. बालकृष्ण भट्ट के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डालिए।

5. उत्तराखण्ड में संस्कृत की प्रमुख संस्थाओं के कार्यों पर प्रकाश डालिए।

खण्ड-ख

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड-'ख' में आठ (08) लघु उत्तरीय प्रश्न दिए गए हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए दस (10) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल चार (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। (4×10=40)

1. उत्तराखण्ड की जनभाषा में संस्कृत का प्रभाव की समीक्षा कीजिए।

2. उत्तराखण्ड के खण्डकाव्यकारों का परिचय दीजिए।

3. आचार्य विश्वेश्वर पाण्डेय के मन्दारमंजरी गद्यकाव्य पर प्रकाश डालिए।

4. सदानन्द डबराल के काव्यों की समीक्षा कीजिए।

5. तारादत्त पन्त के सूर्यचरित महाकाव्य पर प्रकाश डालिए।

6. 'लौहपुरुषावदानम्' रचना की विषयवस्तु का वर्णन कीजिए।

7. हरिनारायण दीक्षित के 'ग्वल्लदेवचरितम्' महाकाव्य में काव्य तत्त्वों को प्रदर्शित कीजिए।

8. शिवप्रसाद भारद्वाज के संस्कृतनाटकों की समीक्षा कीजिए।

****